9. खुशियों की दुनिया

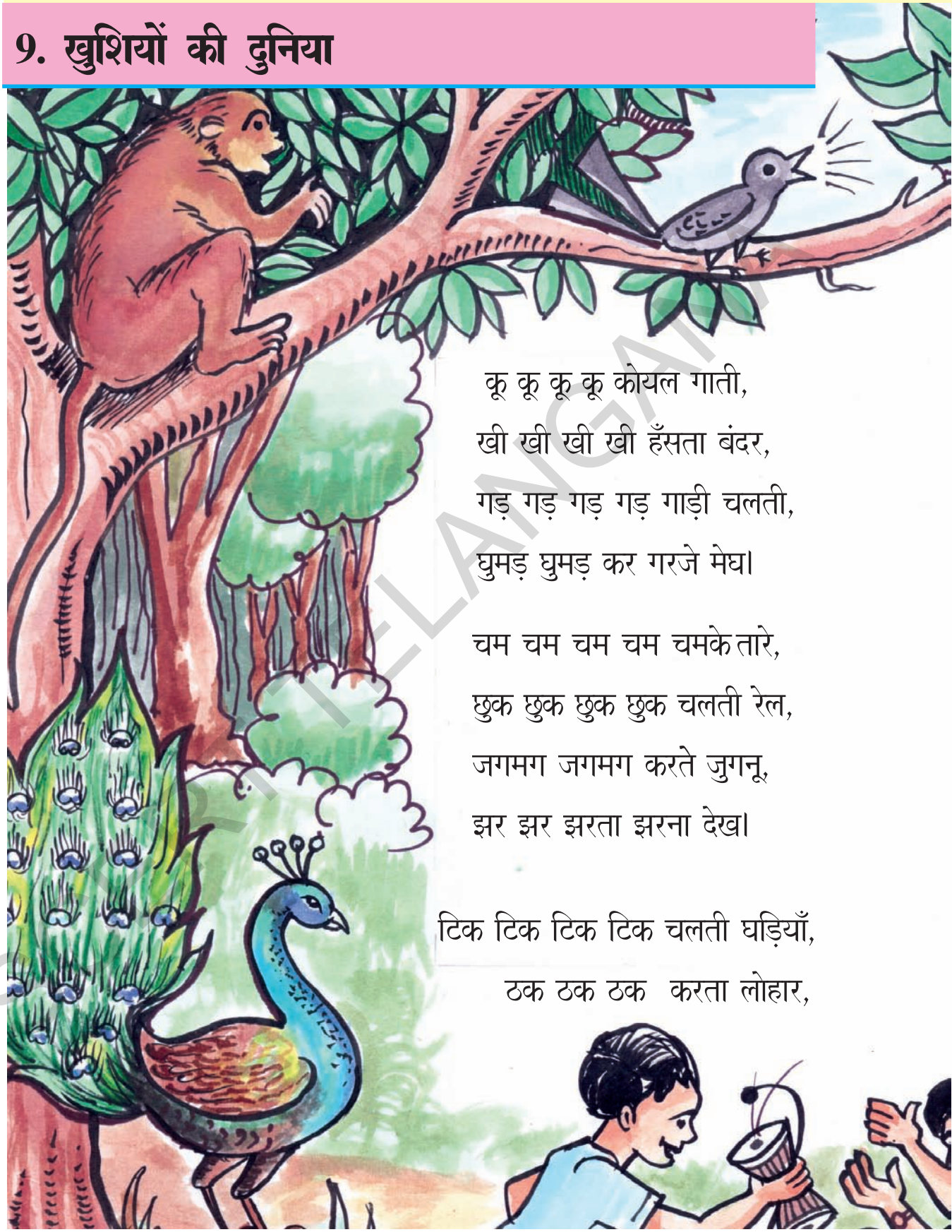

कू कू कू कू कोयल गाती,
खी खी खी खी हँसता बंदर,
गड़ गड़ गड़ गड़ गाड़ी चलती,
घुमड़ घुमड़ कर गरजे मेघ।

चम चम चम चम चमके तारे,
छुक छुक छुक छुक चलती रेल,
जगमग जगमग करते जुगनू,
झर झर झरता झरना देख।

टिक टिक टिक टिक चलती घड़ियाँ,
ठक ठक ठक करता लोहार,

© TELANGANA

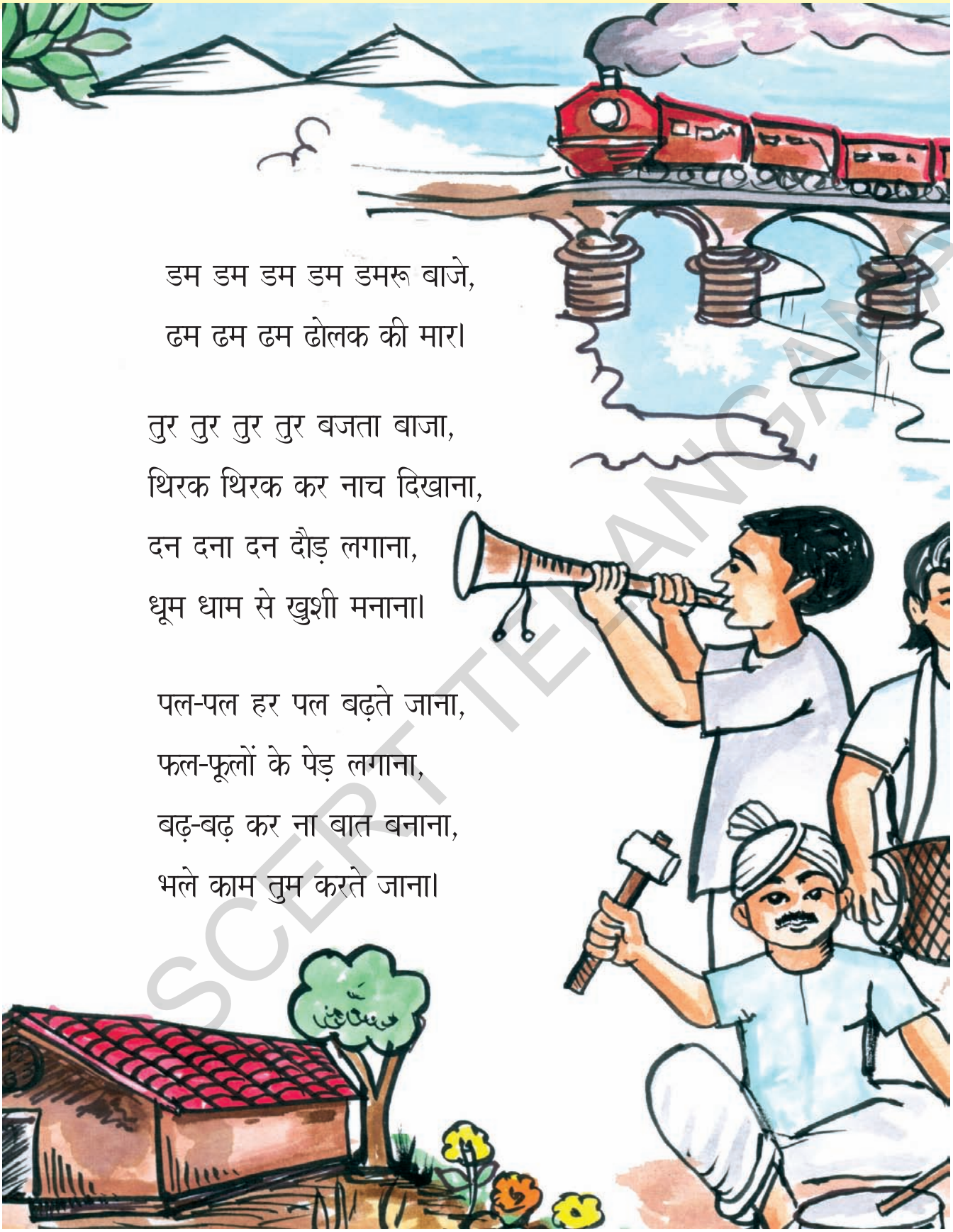

डम डम डम डम डमरू बाजे,
ढम ढम ढम ढोलक की मार।

तुर तुर तुर तुर बजता बाजा,
थिरक थिरक कर नाच दिखाना,
दन दना दन दौड़ लगाना,
धूम धाम से खुशी मनाना।

पल-पल हर पल बढ़ते जाना,
फल-फूलों के पेड़ लगाना,
बढ़-बढ़ कर ना बात बनाना,
भले काम तुम करते जाना।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. कोयल की आवाज़ कैसी होती है?

2. फल-फूलों के पेड़ लगाने से क्या लाभ है?

पढ़ो

(अ) **जोड़ी बनाइए।**

घुमड़ घुमड़ कर गरजे मेघ।

टिक टिक टिक टिक चलती घड़ियाँ।

छुक छुक छुक छुक चलती रेल।

तुर तुर तुर तुर बजता बाजा।

झर झर झरता झरना देख

खी खी खी खी हँसता बंदर

(आ) **पाठ के आधार पर जोड़िए।**

चम चम चम चम	कोयल गाती
डम डम डम डम	बजता बाजा
कू कू कू कू	डमरू बाजे
गड़ गड़ गड़	चमके तारे
तुर तुर तुर	गाड़ी चलती
ठक ठक ठक	करता लोहार

विचार-विमर्श

हम सब में कोई न कोई हुनर, कला या कौशल होता है। हम सब किसी न किसी कला से सशक्त हैं। किसी को पढ़ना-लिखना, किसी को संगीत, किसी को नृत्य-खेल, किसी को पेड़-पौधे लगाना या चित्रकला पसंद होती है। ये सब अलग-अलग तरह की बुद्धिमत्ता हैं।

(इ) **पढ़ो। अंतर समझो।**

गड़ गड़ गड़ गड़ - डम डम डम डम
बढ़ बढ़ बढ़ बढ़ - ढम ढम ढम ढम

(ई) **गाओ। कक्षा में सुनाओ।**

सन-सन-सन-सन चली हवा। फर-फर-फर-फर उड़ी पतंग।

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) **अंकों की बात**

एक दो तीन चार
अच्छा करना तुम व्यवहार
पाँच छह सात आठ
पाओगे तुम सबका प्यार
नौ के बाद दस है
अब गिनती बस है

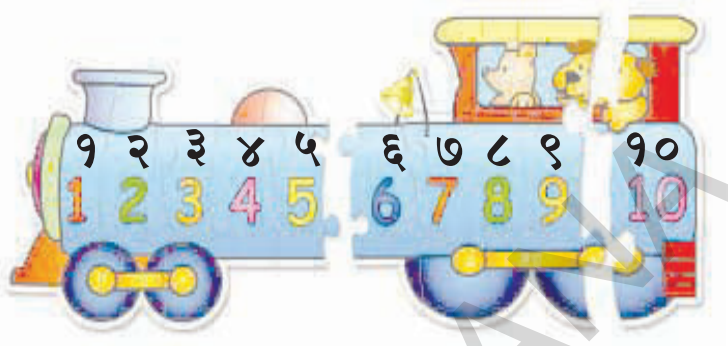

(आ) इस कविता में आपकी मनपसंद पंक्तियाँ कौनसी हैं?

.....

.....

.....

.....

(इ) **घड़ी हमें क्या सिखाती है?**

.....

.....

.....

.....

(ई) **आपको कौन सा पशु या पक्षी पसंद है? उसका चित्र बनाइए।**

नामः.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं अभिनय के साथ बाल गीत गा सकता/सकती हूँ ।		
2. मैं 'अल्पप्राण-महाप्राण' वर्णों से बने शब्द पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

रंग ही रंग

चित्रों में उचित रंग भरिए।

हरा

लाल

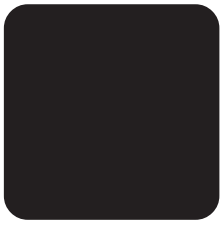

काला

पीला

सूचना : अपने अध्यापक से अन्य रंगों के बारे में पता लगाइए। उन रंगों की वस्तुओं के चित्र दीवार पत्रिका पर चिपकाइए।

SCERT TELANGANA

हिंद देश के निवासी...

- *विनयचंद्र मौद्गल्य*

पढ़ो-आनंद लो

1
हिंद देश के निवासी,
सभी जन एक हैं।
रंग-रूप, वेश-भाषा,
चाहे अनेक हैं।।

2
बेला, गुलाब, जूही,
चंपा चमेली।
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे,
माला में एक हैं।।

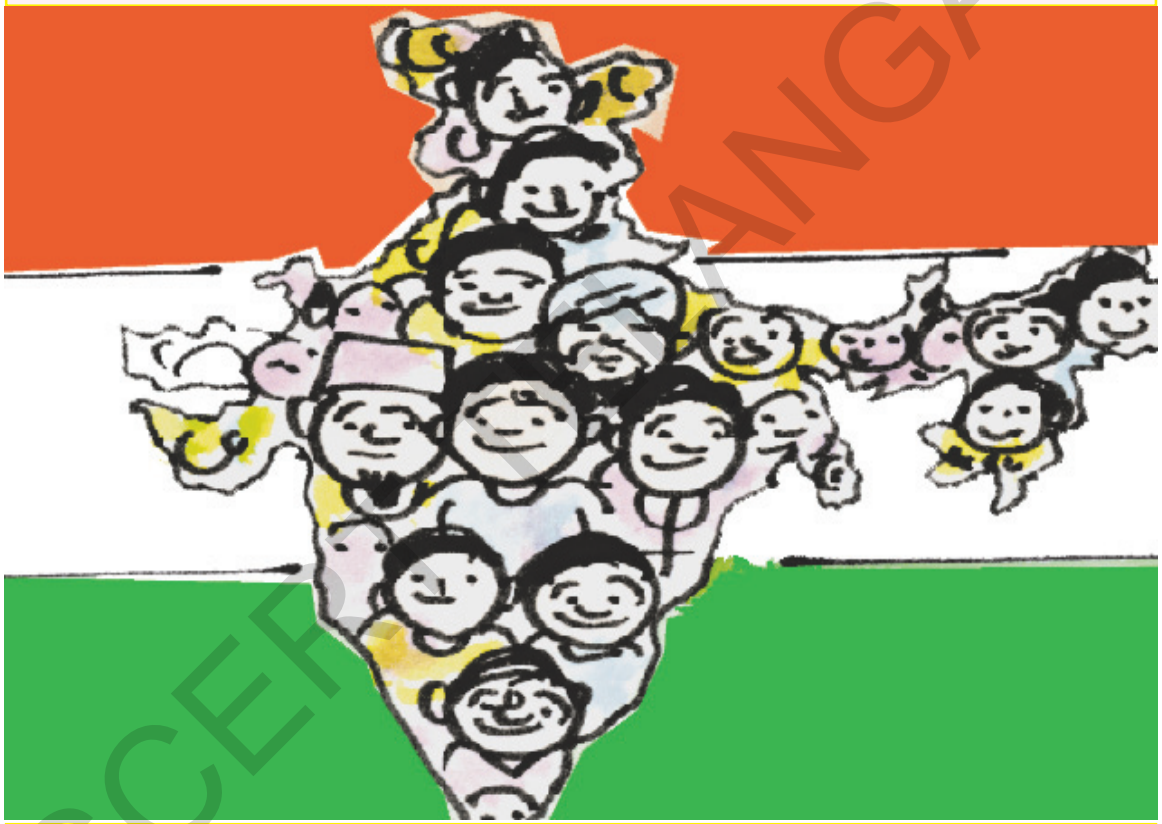

3
कोयल की कूक न्यारी,
पपीहे की टेर प्यारी।
गा रही तराना बुलबुल,
राग मगर एक है।।

4
गंगा, जमुना, ब्रह्मपुत्र,
कृष्णा, कावेरी।
जाकर मिल गयीं सागर में,
हुई सब एक हैं।।

SCERT TELANGANA